Hindi Murli Quiz 24-05-2015

.

Q.1) **"बापदादा ने अपनी रूहानी सेना में महारथी, घोड़े-सवार और प्यादे देखे। महारथियों की स्मृति में सदा विजय का झण्डा लहरा रहा था। घोड़ेसवार [सेकेण्ड नम्बर] की स्मृति में विजय का झण्डा तो था लेकिन कभी लहराता था और कभी ख़ुशी की झलक और निश्चय की फलक कम होने के कारण झण्डा लहराने की बजाए एक ही जगह खड़ा हो जाता था। तीसरे, प्यादे झण्डे को लहराने के प्रयत्न में खूब लगे हुए थे, लेकिन कहीं-कहीं कमजोरी की गाँठ होने के कारण अटक जाता था, लहराता नहीं था। किसी-किसी का मेहनत के बाद लहराता भी था लेकिन कुछ समय के बाद, इसलिए वह फलक नही थी। कोई-कोई मेहनत में इतने बिजी थे कि बापदादा के इशारे को ही कैच नही कर रहे थे।"**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.2) **अपने उत्तर से निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें --**
"बापदादा ने सेना में तीनों प्रकार के योद्धा देखे। जब मेहनत से या सहज ही सबका झण्डा अच्छी तरह से लहराने लगा तो झण्डे के लहराने से ही विजय के ------- की अर्थात् बाप और बच्चों के प्रत्यक्षता के -------की वर्षा-समान रौनक हो गई।"

- पुष्पों ,पूष्पों ,फूलों ,फुलों,phoolon , fulon .

Q.3) **शब्दों /वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	महारथी अर्थात्	हर शब्द के अनुभव की अथॉरिटी।
B	घोड़ेसवार अर्थात् सुनने सुनाने वाले ज्यादा,	अनुभव की अथॉरिटी में कम।
C	ज्ञान की सबजेक्ट में जो भी प्वाइन्ट्स वर्णन करते हो,	उस हर प्वाइन्ट् का अनुभव करो।
D	बाप से सर्व सम्बन्धों की अनुभूति वा प्राप्ति में मग्न रहो,	तो पुरानी दुनिया के वातावरण से सहज ही उपराम रह सकते हो।
E	विजय का झण्डा लहराने के लिए मुख्य बात है ‘रियलाइजेशन’ [अनुभवी मूर्त बनना],	इसलिए अमृतबेले से रियलाइजेशन कोर्स शुरू करो।

Q.4) **"आजकल के शास्त्रवादी सिर्फ शास्त्र पढ़ते हैं, रटते हैं फिर भी अपने को शास्त्रों की अथॉरिटी समझते हैं। आप सब रटते नहीं हो लेकिन उसमें रमण करते हो। तो ज्ञान की हर पॉइंट रमण करने वाला [मनन द्वारा स्वरूप में लाना] ही सदा ज्ञान की अथॉरिटी होगा। इसी प्रकार से धारणा की सब्जेक्ट में हर गुण को स्वरूप में लाना अर्थात अनुभव की अथॉरिटी होना। स्पीकर हो, श्रोता हो या अथॉरिटी हो, इसी में नम्बर हो जाते हैं। इसलिए अनुभवी बनो। दो-तीन सम्बन्ध का, दो- तीन प्वाइन्ट का अनुभव नहीं लेकिन सर्व अनुभवी मूर्त। तो सदा विजय का झण्डा लहराता रहेगा।"**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.5) **सभी सही वाक्यों का ही चयन करें ---**

A. ☑ समस्या विकराल हो लेकिन उसमे भी कल्याण का अनुभव हो। ऐसे सदा निश्चयबुद्धि को कहते हैं विजयी।

B. ☑ निरन्तर योगी बनने का आधार - सदा सर्व सम्बन्धों का सहयोग लेना।

C. ☑ अब क्षत्रिय-पन के समय की समाप्ति हो गई, अगर इस समय तक भी क्षत्रिय रहेंगे तो चन्द्रवंशी बन जायेंगे।

D. ☑ कभी भी अपने में भी संशय न हो कि सम्पूर्ण बनेंगे या नहीं,जैसे बाप में निश्चय है वैसे स्वयं में भी निश्चय हो।

E. ☑ स्वयं में अगर व्यर्थ संकल्प रूपी कमजोरी का संकल्प उत्पन्न होता है तो कमजोरी के संस्कार बन जायेगे।

Q.6) **"भिन्न-भिन्न भाषा के होते हुए भी एक मत, एक बाप, एक ही निश्चय और एक ही मंजिल। सिर्फ सेवार्थ भिन्न-भिन्न स्थानों पर रहे हुए हो। जब सेवा समाप्त हो जायेगी तब जो नष्टोमोहा होंगे, सभी मधुबन आ जायेंगे। उस समय टेलिफोन व टेलीग्राम से बुलावा नहीं होगा, लेकिन बुद्धि की लाइन क्लीयर होने से बुलावा पहुँच जायेगा। ऐसी हालतें बनेंगी जो जिस ट्रेन से आपको पहुँचना होगा वही चलेगी, उसके बाद नहीं। अगर बुद्धि की लाइन क्लीयर होगी तो साधन भी मिल जायेंगे। इसलिए बहुतकाल का निरन्तर योग चाहिए। सेफ्टी की ड्रेस है ही - याद का कवच।"**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.7) **अन्त समय में प्रकृति एवं माया द्वारा विकराल समस्यायें आने वाली हैं। ऐसी स्थिति में माया व प्रकृति पर विजय -- इस विषय पर तैयार यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें --**

	Choice	Match
A	ड्रामा की नॉलेज से क्या-क्यों के क्वेश्चन को समाप्त करने वाले ही,	प्रकृतिजीत और मायाजीत बनते हैं।
B	पांच तत्व अपनी तरफ आकर्षित न करें और पांच विकार भी वार न करें,	प्रकृतिजीत और मायाजीत दोनों ही पेपर में पास होते हैं।
C	प्रकृति की समस्या के कारण जरा भी हलचल में नही आना,	कुछ भी हो लेकिन अन्दर से सदा यह आवाज निकले - वाह मीठा ड्रामा।
D	एक सेकेण्ड का पेपर आना है,	एक सेकेण्ड में पास हो जाएं, इसका अभ्यास चाहिए।
E	पेपर के समय अगर तैयारी करने में लग गये तो रिजल्ट निकल जायेगा,	डायरेक्शन मिले एक सेकेण्ड में मास्टर बीज हो जाओ तो टाइम न लगे।

Q.8) **"एक सेकेण्ड का पेपर आना है। अगर यह भी सोचा कि योग लगायें, याद में बैठें तो भी सेकेण्ड तो बीत जायेगा। पुरूषार्था जीवन में युद्ध करते-करते ही शरीर छूटा तो चन्द्रवंशी बन जायेंगे। इसलिए हरेक सदा 108 की माला में आने का पुरुषार्थ और लक्ष्य रखो। लक्ष्य श्रेष्ठ होगा तो लक्षण आटोमेटिकली आ जायेंगे। 16 हजार का लक्ष्य कभी नहीं करना। अभी कोई भी नम्बर फिक्स नहीं है। माता-पिता को छोड़ करके बाकी सब सीट खाली हैं। सीटी नहीं बजी है। लास्ट वाला भी फास्ट जाकर फर्स्ट ले सकता है। इस संगम के समय भाग्य-विधाता बाप ने तकदीर आपके हाथ में दे दी है जो चाहो, जैसा चाहो, जितना चाहो उतना बना सकते हो।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.9) **वरदान पर आधारित इस एक्सरसाइज में सब सही वाक्य ही चयन करें –**

A. ☑ वर्तमान समय हलचल बढ़ने का समय है।
B. ☑ फाइनल पेपर में एक तरफ प्रकृति का और दूसरी तरफ पांच विकारों का विकराल रूप होगा।
C. ☑ तमोगुणी आत्माओं का वार और पुराने संस्कार आदि सब लास्ट समय पर अपना चांस लेगे।
D. ☑ ऐसे समय पर समेटने की शक्ति द्वारा अभी-अभी साकारी, आकारी और निराकारी स्थिति में स्थित होने का अभ्यास चाहिए।
E. ☑ देखते हुए न देखो, सुनते हुए न सुनो। जब ऐसी फुलस्टॉप की स्टेज हो तब प्रकृतिपति बन प्रकृति की हलचल को स्टॉप कर सकेंगे।

Q.10) **" -----------राज्य अधिकारी बनने के लिए -----------सेवाधारी बनो।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ निर्विघ्न
B. ○ विश्व
C. ○ बेहद के
D. ○ बाप-पसंद